राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, राजस्थान जयपुर

क्रमांकः आई.डी.एस.पी./2024/ 162 दिनांकः 09/04/2024

कार्यालय आदेश

विगत कुछ माह से देश में एवं प्रदेश में भी MUMPS (कनफेड) रोगी पाये जा रहे है जो विगत वर्षो की तुलना में अधिक है। यह रोग अधिकाशतः बच्चों में होता है। यह एक वायरल संक्रामक रोग है जो संक्रमित रोगी के खांसने, छींकने या लार (Saliva) के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। विद्यालय प्रशासन द्वारा किसी बच्चे में लक्षण पाये जाने पर उसे चिकित्सकीय परामर्श अनुसार घर पर रहने हेतु सलाह दी जावे एवं MUMPS (कनफेड) रोग के फैलाव, लक्षण, बचाव के संबंध में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को सामूहिक संदेश दिया जावे।

वर्तमान में प्रदेश में मच्छर के काटने से फैलने वाली अन्य मौसमी बीमारियों डेंगू व मलेरिया का भी प्रसार देखा जा रहा है। जिनके बारे में भी बच्चों को जागरूक करावें।

अतः समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में MUMPS (कनफेड) रोग, डेंगू व मलेरिया से बचाव व नियंत्रण संबंधी संदेश प्रसारित करावें।

संलग्न :– संदेश।

08/04/24

(कृष्ण कुणाल)
शासन सचिव
स्कूल शिक्षा विभाग
राजस्थान, सरकार

(शुभ्रा सिंह)
अतिरिक्त मुख्य सचिव
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,
राजस्थान, सरकार

क्रमांकः आई.डी.एस.पी./2024/ 162 दिनांकः 09/04/2024

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर।
3. निजी सचिव, मिशन निदेशक, एनएचएम।
4. समस्त जिला कलक्टर, राजस्थान।
5. निजी सहायक, निदेशक (जन स्वास्थ्य), मुख्यालय।
6. अतिरिक्त निदेशक (ग्रा0स्वा0), मुख्यालय।
7. समस्त संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, राजस्थान, जयपुर।
8. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजस्थान।
9. समस्त उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य), राजस्थान।
10. प्रभारी सर्वर रूम को संबंधित को ई–मेल करने बाबत्।
11. कार्यालय प्रति।

डॉ. रवि प्रकाश माथुर
निदेशक (जन स्वास्थ्य)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें
राजस्थान, जयपुर

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु बच्चों के लिए संदेश

MUMPS (कनफेड)

- **रोग का फैलाव**– MUMPS (कनफेड) रोग संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या लार (Saliva) के सीधे संपर्क में आने से फैलता है।
- **लक्षण**– सामान्यतः इस रोग में बुखार, एक या दोनों Parotid Gland (लार ग्रंथी) में दर्द व सूजन आना, मांसपेशियों में दर्द, सरदर्द व भूख नहीं लगने के लक्षण पाये जाते है किन्तु रोग की जटिलता होने पर अंडकोष, स्तन, मस्तिष्क, अंडाशय, अग्न्याशय, रीढ की हड्डी के ऊतक में सूजन हो सकती है एवं दुर्लभ (Rare) स्थिति में बहरापन भी हो सकता है।
- **बचाव**–
  - लक्षणों वाले संभावित रोगी से दूरी बनाना।
  - लक्षणों वाले रोगी को खांसते/छींकते समय नाक व मुंह पर रूमाल/टिश्यू रखना अथवा खांसते/छींकते समय मुंह को बाजू पर रखना चाहिये।

डेंगू व मलेरिया

- **रोग का फैलाव**– संक्रमित मच्छर के काटने से डेंगू व मलेरिया रोग होता है।
- **लक्षण**

डेंगू : –

- अचानक तेज सिर दर्द व बुखार।
- मांसपेशियों व जोड़ो में दर्द,
- आंखों के पीछे दर्द जो आंखो को घुमाने से बढता है।
- जी मिचलाना व उल्टी होना।
- गम्भीर मामलों में नाक, मुंह व मसूडो से खून आना अथवा त्वचा पर चकत्ते उभरना।

मलेरिया–

- सर्दी व कंपन के साथ बुखार आना।
- तेज बुखार व सर दर्द होना।
- बुखार उतरते समय बदन का पसीना–पसीना होना।

- **बचाव**
  - ऐसे कपडें पहनें जो बदन को पूरी तरह ढंके।
  - मच्छर रोधी जालीदार खिड़की व दरवाजे का उपयोग कर मच्छर से बचे।
  - सोते समय मच्छरदानी या मच्छर रोधी क्रीम/कॉयल का उपयोग करें।
  - मच्छर पैदा नहीं हो इसलिए :–
    - पानी के सभी पात्रों को पूरी तरह ढ़ककर रखें एवं सप्ताह में एक बार आवश्यक रूप से पात्र को खाली कर व सुखाकर ही पानी भरे।
    - घर में टूटे बर्तनों, टायरों, आदि कबाड में पानी जमा न होने दें।
    - पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन व फूलदान प्रति सप्ताह खाली कर पुनः भरे।

बच्चे उक्त संदेश की पालना घरों पर अपने अभिभावको/माता–पिता की जानकारी एवं मार्गदर्शन में करे एवं उक्त बीमारियों के लक्षण होने पर नजदीकी औषधालय/चिकित्सालय में समय रहते परामर्श एवं उपचार लेवे।

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं